कोटद्वार, रविवार
20 अक्टूबर 2024
वर्षः 46
अंकः 171 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

दिल्ली बस सेवा के बाद टनकपुर डेली सर्विस भी हुई बंद

चमोली : उत्तराखंड परिवहन निगम की गैरसैंण-दिल्ली डेली बस सर्विस के साथ ही अब गैरसैंण-टनकपुर बस सेवा भी बीते एक सप्ताह से बंद हो गई है। जिससे जरूरतमंदो में रोष व्याप्त है। बता दें कि पहले टनकपुर से चौखुटिया तक यह बस चलती थी, लेकिन विधानसभा सत्र के दौरान क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान सीएम धामी ने इस बस का रूट बढ़ा कर इससे गैरसैंण तक कर दिया था। कुछ दिन बस सेवा चलने के बाद एक सप्ताह से यह बस सेवा भी अब ठप हो गई है। गैरसैंण जिला बनाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष पूरन नेगी और व्यापार संघ अध्यक्ष सुरेन्द्र बिष्ट, एडवोकेट केएस बिष्ट ने परिवहन विभाग से पुनः यह सेवाएं जारी रखने की मांग की है। (एजेंसी)

उत्तराखंड में अवैध रूप से रह रहा बांग्लादेशी गिरफ्तार

देहरादून। पुलिस ने उत्तराखंड में अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ विदेशी अधिनियम, पासपोर्ट अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि इन दिनों सभी थानाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्र में संदिग्ध और बाहरी लोगों के सत्यापन के आदेश दिए गए हैं। इस क्रम में लगातार चैंकिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात प्रेमनगर पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घूमता पाया। पूछताछ के दौरान संदिग्ध से उसकी आईडी मांगी गयी तो संदिग्ध घबरा गया, उसने आईडी उपलब्ध होने से इनकार कर दिया। सख्ती से पूछताछ पर युवक ने बताया कि वो बांग्लादेशी नागरिक है। उसके पास भारत में निवास करने के लिए कोई भी वैध कागजात जैसे पासपोर्ट, वीजा नहीं है। एसएसपी ने बताया कि इसपर युवक को गिरफ्तार कर दिया गया। आरोपी की पहचान संतो विश्वास पुत्र नारायण विश्वास मूल निवासी ग्राम कचुवा थाना अभयनगर जिला जसौर विभाग खुलना बांग्लादेश, हाल निवासी स्वरूप विहार कांदीपुर नॉर्थ वेस्ट नई दिल्ली के रूप में हुई। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वो दिल्ली, हल्द्वानी और उत्तरकाशी में रह चुका है।

शारदा नदी में डूबने से बुजुर्ग की मौत

चम्पावत। शारदा नदी में डूबने से बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजनों ने हार्ट अटैक के कारण उनके नदी में गिरने का अंदेशा जताया है। टनकपुर के शारदा घाट में शनिवार को स्थानीय लोगों को एक अज्ञात बुजुर्ग का शव पड़ा दिखा। लोगों की सूचना पर वहां मौजूद गोताखोर रविंद्र पहलवान ने शव को बाहर निकाला। शव की शिनाख्त शास्त्री चौक, वार्ड नंबर तीन निवासी 70 वर्षीय ननकू लाल पुत्र स्व. होली लाल के रूप में हुई। डॉ. जोशी ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही बुजुर्ग की मौत हो गई थी। मृतक के पुत्र हरीश गंगवार ने बताया कि ननकू लाल अक्सर सुबह-शाम के वक्त घूमने जाया करते थे। बताया कि वह 2014 से हार्ट के मरीज हैं। उन्होंने अंदेशा जताया है दिल का दौरा पड़ने के कारण वह नदी में गिर गए होंगे। प्रभारी कोतवाल सुरेंद्र सिंह कोरंगा ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि कोई राज्य के सरकारी विभागों में नियुक्त अधिकारी, कर्मचारी अपने पदीय कार्य के संपादन में किसी प्रकार का दबाव बनाकर रिश्वत की मांग करता है और उसके पास आय से अधिक अवैध संपत्ति अर्जित की गयी हो तो इस संबंध में सतर्कता अधिष्ठान के टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर-1064 एवं ह्वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9456592300 पर सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान में निडर होकर सूचना दें।

सलमान का पूरा परिवार झूठा', सलीम खान के इंटरव्यू पर क्यों भड़के बिश्नोई समाज के अध्यक्ष

जयपुर। काला हिरण के शिकार मामले में अभिनेता सलमान खान से बिश्नोई समाज की नाराजगी बढ़ती जा रही है। सलमान के पिता सलीम खान की ओर से दिए गए बयान के बाद बिश्नोई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बिश्नोई ने कहा कि सलमान का पूरा परिवार झूठा है। न तो हमारे समाज को और ना ही गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को हराम का पैसा चाहिए।

झारखंड में चुनाव से पहले ईसी की बड़ी कार्रवाई

●डीजीपी को तत्काल प्रभाव से हटाने का आदेश

रांची। झारखंड में चुनाव के पूर्व ही भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड के प्रभारी डीजीपी अनुराग गुप्ता को उनके पद से हटा दिया है। आयोग ने उनके पुराने विवादित इतिहास को देखते हुए यह निर्णय लिया है। आयोग ने अपने आदेश में कहा है कि उनके स्थान पर किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को डीजीपी के पद पर बैठाया जाय।

इसके लिए आयोग ने 21 अक्टूबर तक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का पैनल आयोग को सौंपने को कहा है, जिस पर आयोग निर्णय लेगा। वर्तमान में अनुराग गुप्ता को छोड़कर तीन आईपीएस अधिकारी वरिष्ठ हैं। इनमें 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय कुमार सिंह, 1990 बैच के अनिल पाल्टा व 1992 बैच के प्रशांत सिंह शामिल हैं। इस पैनल पर आयोग विचार करेगा और उसके बाद डीजीपी पद के लिए निर्णय लेगा।

चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से मांगा सुझाव

केंद्रीय चुनाव आयोग ने झारखंड सरकार को इस मामले में आज शाम 7 बजे तक जरूरी कार्रवाई करके रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। साथ ही साथ चुनाव आयोग ने झारखंड सरकार से 21 अक्टूबर सुबह 10 बजे तक राज्य के वरिष्ठतम आईपीएस अधिकारियों के नाम का सुझाव भी मांगा है।

देश में लगातार बढ़ रही विमानों में बम की धमकियां

दिल्ली। देश भर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बढ़ोत्तरी शनिवार के दिन देखी गई है, जानकारी के मुताबिक सिर्फ शनिवार को 30 से ज्यादा विमानों में बम की धमकी मिली है।

फिलहाल नागरिक उड्डयन मंत्रालय एयरलाइनों को बम की झूठी धमकी देने की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने की योजना बना रहा है, जिसमें ऐसा करने वालों को नो-फ्लाई सूची में डालना भी शामिल है।

किन-किन एयरलाइन को मिली है धमकियां?

सूत्रों के अनुसार, शनिवार को विस्तारा, एयर इंडिया और इंडिगो समेत कई भारतीय एयरलाइनों की 30 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एयर और एलायंस एयर के विमानों को धमकियां मिली हैं। वहीं इस हफ्ते अब तक भारतीय एयरलाइनों की कम से कम 70 फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है और उनमें से अधिकांश फर्जी साबित हुईं।

राज्य के सामरिक महत्व को देखते हुए नीति बनें : सीएम

●मुख्यमंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष के बीच राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा ●नीति आयोग के उपाध्यक्ष से आपदा, वनाग्नि, राज्य की फ्लोटिंग आबादी के दृष्टिगत विशेष सहयोग की अपेक्षा की

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सचिवालय में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी के साथ राज्य से जुड़े अहम विषयों पर बैठक की। मुख्यमंत्री ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष का देवभूमि उत्तराखण्ड में स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि उत्तराखण्ड विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला राज्य है। राज्य में पर्वतीय, मैदानी, भाबर और तराई क्षेत्र हैं। कहा कि राज्य में आपदा, वनाग्नि, पलायन और फ्लोटिंग जनसंख्या बड़ी चुनौती है। दो देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे होने के कारण उत्तराखण्ड सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। उन्होंने नीति आयोग के उपाध्यक्ष से अनुरोध किया कि हिमालयी राज्यों की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नीतियों का निर्धारण किया जाए। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों की आजीविका में वृद्धि के लिए विशेष नीति बनाने का अनुरोध भी किया। इससे पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन जैसी बड़ी समस्या का समाधान होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हिम आधारित नदियों को वर्षा आधारित नदियों से जोड़े जाने की एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर कार्य कर रही है, इसके दीर्घकालिक परिणाम गेम चेंजर साबित होंगे। ह्नदी-जोड़ो परियोजनाह्न के क्रियान्वयन के लिए अत्यधिक धनराशि की आवश्यकता है, जिसके लिये उन्होंने इसके नीति आयोग से तकनीकी सहयोग के लिए अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की जनसंख्या मूल रूप से लगभग सवा करोड़ है, लेकिन धार्मिक और पर्यटन प्रदेश होने की वजह से राज्य में इससे 10 गुना लोगों की आवाजाही है। राज्य में फ्लोटिंग जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए आधारभूत और बुनियादी सुविधाओं के विकास की आवश्यकता होती है। उन्होंने नीति आयोग के उपाध्यक्ष से अनुरोध किया राज्य में फ्लोटिंग आबादी को ध्यान में रखते हुए राज्य के लिए नीति बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड आपदा की दृष्टि से बहुत संवेदनशील राज्य है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण राज्य को प्रत्येक साल जन-धन की काफी क्षति होती है। राज्य में विकसित किया गया इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राकृतिक आपदाओं के कारण काफी प्रभावित होता है। उन्होंने अनुरोध किया कि राज्य की प्राकृतिक आपदाओं को ध्यान में रखते हुए नीति बनाई जाय। उन्होंने कहा कि वनाग्नि भी राज्य की बड़ी समस्या है। राज्य में वनाग्नि की चुनौतियों से समाधान के लिए राज्य को पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता होगी। राज्य के सीमांत क्षेत्रों के विकास के लिए भी विशेष नीति बनाने का अनुरोध भी मुख्यमंत्री ने किया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड के सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राजशेखर जोशी, मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, राज्य सलाहकार नीति आयोग, भारत सरकार सोनिया पंत, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, एस.एन.पाण्डेय, अपर सचिव विजय कुमार जोगदण्डे, सीपीपीजीजी के एसीईओ डॉ. मनोज पंत उपस्थित थे।

बेहतर संपर्क मार्ग हेतु स्टील सेतु का निर्माण अत्यंत महत्वपूर्ण : महाराज

नई तकनीक की जानकारी का राज्य को मिलेगा लाभ : टम्टा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखंड के विकास में बुनियादी ढांचे का विकास करना एक बड़ी चुनौती है। प्रदेश में तेजी से बढ़ते आवागमन और बेहतर संपर्क मार्ग हेतु स्टील सेतु का निर्माण अत्यंत महत्वपूर्ण है। पारंपरिक पुलों की तुलना में यह पुल कम समय में तैयार हो जाते हैं और आपातकालीन स्थितियों में बहुत लाभकारी हैं।उक्त बात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने शनिवार को हरिद्वार-बाईपास रोड स्थित एक होटल में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्रिज एंड स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के भारतीय राष्ट्रीय समूह (आईएनजी-आईएबीएसई), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली और लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय ह्नस्टील सेतु के डिजायन, निर्माण एवं रख रखावह्न कार्यशाला में कही। उन्होंने कहा कि स्टील सेतु हल्के होने के साथ-साथ मजबूत और जलवायु के उतार-चढ़ाव को झेलने में सक्षम होते हैं। जरूरत पड़ने पर स्टील सेतु के हिस्सों को बदला भी जा सकता है और इसके रख-रखाव पर खर्च भी काम आता है। उन्होंने कहा कि बरसात और

भूस्खलन के दौरान कई बार पुराने पुलिया रास्ते क्षतिग्रस्त हो जाते हैं इनकी जगह अब इस प्रकार के टिकाऊ सेतु बनाए जा रहे हैं। बताया कि वर्तमान में राज्य के 13 जनपदों में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्गों और ग्रामीण मार्गों की 9192 सड़कों का कुल 46742 किमी. लंबाई का विशाल नेटवर्क है। इन मार्गों पर कुल 2238 मोटर सेतु, 31 फुटओवर सेतु, 04 फ्लाई ओवर, 24 रोड़ ओवर ब्रिज और 1021 पैदल सेतुओं का निर्माण किया गया है, जिनका रख रखाव लोक निर्माण विभाग के अधीन है। पुराने स्टील सेतु के साथ-साथ दीर्घ अवधि तक सेतु सुरक्षित एवं उपयोगी बने रहे इसके लिए कार्यशाला में सेतुओं के रखरखाव की नवीन तकनीकी पर चर्चा होगी ऐसी मुझे उम्मीद है।

कार्यशाला के दौरान उपस्थित केंद्रीय राज्य सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा पूरे देश में जितने भी स्टील पुल और बिल्डिंग स्ट्रक्चर बनाये जाते हैं उसमें नई तकनीकी की जानकारी देने के लिए हर साल देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का मिठाई की दुकानों पर छापा

रुड़की। त्योहार सीजन में लोगों के स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने बाजारों का रुख कर लिया है। शनिवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने रुड़की और मंगलौर की मिठाई दुकानों पर छापे मारे। छापे में अधिकारियों ने रसभरी, रसगुल्ला, काला जाम, पेड़ा और अन्य खाद्य पदार्थों की जांच की। इस बीच कुछ दुकानों पर खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका पर जांच के लिए छह सैंपल लिए। टीम की छापेमारी और सैंपलिंग की कार्रवाई से मिठाई दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा। त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों के इस्तेमाल का आम दिनों के मुकाबले दोगुना व्यापार होने लगता है। सगे संबंधियों, रिश्तेदारों और परिचितों को त्योहार पर बधाई देने के लिए मिठाई का प्रचलन सालों से चला रहा है। ऐसे में मिठाइयों में मिलावट की आशंका बढ़ने लगती है और कभी-कभी मिठाइयों मे मिलावट की शिकायतें भी आने लगती है। इन्ही आशंकाओं को देखते हुए आयुक्त एफडीए डॉ. आर राजेश कुमार के निर्देश पर वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी (रुड़की) योगेंद्र पांडे के नेतृत्व में एक टीम ने बाजारों का रुख किया। इस बीच मंगलौर और रुड़की की एक दर्जन दुकानों पर टीम ने छापे मारे। छापे में टीम ने कई मिठाई की दुकानों पर रखे रसगुल्ले, रसभरी और पेड़ा आदि मीठे मिष्ठान की जांच की। उनकी बनाने की प्रक्रिया, रखरखाव और स्टोर आदि की जगह को चेक किया। इस बीच टीम को कुछ दुकानों पर रसभरी, रसगुल्ला, काला जाम, पेड़ा और अन्य मिठाइयों में कुछ मिलावट की आशंका हुई।

बागेश्वर में राजस्व उपनिरीक्षक एक हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

बागेश्वर। जमीन का दाखिल खारिज करवाने के लिए दो हजार रुपये रिश्वत मांगना एक राजस्व उप निरीक्षक को भारी पड़ गया। विजिलेंस की टीम ने उसे एक हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी को तहसील काफलीगैर की पटवारी चौकी से गिरफ्तार किया गया है। विजिलेंस टीम उसकी चल व अचल संपत्ति की जांच में जुट गई है। शिकायतकर्ता की ओर से सतर्कता अधिष्ठान में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता ने अपनी गांव की जमीन का दाखिल खारिज करवाने के लिए आवेदन किया था, जिसकी एवज में राजस्व उपनिरीक्षक (पटवारी) ने दो हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। पूर्व में शिकायतकर्ता आरोपी को 1000 रुपये दे चुका था। पीड़ित की शिकायत पर सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर हल्द्वानी की टीम ने देवेंद्र सिंह बोरा, हाल पटवारी, पट्टी नदीगांव, तहसील काफलीगैर, जिला बागेश्वर को शनिवार को कठपुड़ियाछीना

पटवारी कार्यालय में शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद सतर्कता अधिष्ठान हल्द्वानी की टीम ने अभियुक्त के आवास की तलाशी ली। साथ ही अन्य स्थानों पर चल-अचल सम्पत्ति के संबंध में पूछताछ जारी है। सतर्कता विभाग के निदेशक डॉ. वी. मुरुगेसन ने ट्रैप टीम को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

भाजपा ने उपचुनावों के लिए जारी की उम्मीदवारों की सूची

दिल्ली। वायनाड के लोकसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नाव्या हरिदास को मैदान में उतारा है, जहां उनका मुकाबला कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से होगा। पार्टी ने असम, बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम के विधानसभा उप चुनावों के लिए भी उम्मीदवारों की सूची जारी की। असम के विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने ढोलाई (अनुसूचित जाति) सीट से निहार रंजन दास, बेहाली सीट से दिंगता घाटोवर और समागुरी सीट से दीप्लु रंजन शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। जबकि बिहार के उपचुनाव में तरारी सीट से विशाल प्रशांत और रामगढ़ सीट से अशोक कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया है। छत्तीसगढ़ के उपचुनाव में रायपुर शहर दक्षिण सीट से सुनील सोनी को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, दक्षिण राज्य कर्नाटक के

उपचुनाव में पार्टी ने शिग्गांव से भरत बसवराज बोम्मई और संदूर (अनुसूचित जनजाति) सीट से से बंगारू हनुमंतु को उम्मीदवार बनाया है। केरल के उपचुनाव में पार्टी ने पलक्कड़ सीट से सी. कृष्णकुमार और चेलक्कारा (अनुसूचित जाति) सीट से के. बालकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है। जबकि, मध्य प्रदेश के उपचुनाव में भाजपा ने विजयपुर सीटच से रामनिवास रावत और बुधनी सीट से रमाकांत भार्गव को उम्मीदवार बनाया है। रमाकांत भार्गव 2019 लोकसभा चुनाव में विदिशा सीट सांसद चुने गए थे। राजस्थान की झुंझुनू सीट पर राजेंद्र भांबू और रामगढ़ सीट पर सुखवंत सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है।

राजस्थान की दौसा सीट से जगमनोहन मीणा, देवली उनियारा से राजेंद्र गुर्जर, खींवसर से रेवंत राम डांगा, सलूंबर (अनुसूचित जनजाति) से शांता देवी मीणा को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। वहीं, पश्चिम बंगाल की सिताई सीट (अनुसूचित जाति) से दीपक कुमार रॉय, मदारीहाट (अनुसूचित जनजाति) से राहुल लोहार, नैहाटी से रूपक मिश्रा, हरोआ से बिमल दास, मेदिनीपुर से सुभजित रॉय, तालडांगरा से अनन्या रॉय चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया गया है।

पहेली बनी स्वाति की मौतः नोएडा में 11वीं मंजिल से गिरी युवती

नोएडा। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के सेक्टर 134 में स्थित जेपी कॉसमॉस सोसाइटी में काम करने वाली एक घरेलू सहायिका ने शनिवार को 11वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना एक्सप्रेसवे के प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि मूल रूप से जनपद बंदायू की रहने वाली स्वाति उम्र 18 वर्ष जेपी कॉसमॉस सोसायटी में रहने वाले एक व्यक्ति के घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। शनिवार को उसने 11वीं मंजिल से नीचे छलांग लगा दिया। इस घटना में उसकी मौत हो गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतका के परिजन मौके पर मौजूद है। अगर वे इस मामले में कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करेगी।

संतान की मृत्यु पर माता-पिता को भी मिलेगा संपत्ति में हिस्सा

देहरादून। समान नागरिक संहिता लागू (यूसीसी) होने के बाद आम लोगों के उत्तराधिकार से जुड़ा एक और बड़ा बदलाव नजर आएगा। संतान की मृत्यु होने पर माता-पिता भी उसकी चल-अचल संपत्ति में हिस्सेदार रहेंगे, वरना अभी जो उत्तराधिकार कानून है, उसके तहत पति की मृत्यु के बाद बैंक-बैलेंस, संपत्ति आदि पत्नी को ही मिलती है। इससे माता-पिता बेसहारा रह जाते हैं। यह विसंगति यूसीसी आने पर समाप्त हो जाएगी।

यूसीसी की नियमावली का ड्राफ्ट अंग्रेजी भाषा में सरकार को सौंपा गया है, जिसे अनुवाद कराने के साथ विधि और न्याय विभाग के समक्ष तकनीकी समीक्षा के लिए भेजा जाएगा। उसके बाद सरकार मंत्रिमंडल की बैठक कर उसे प्रभावी तौर पर लागू करने की तैयारियों और तिथि की

घोषणा कर सकती है।

पति-पत्नी को विवाह का पंजीकरण कराने के लिए छह माह का समय

यह ड्राफ्ट दो वॉल्यूम और चार हिस्सों में है। एक वॉल्यूम में 200 और दूसरे में 410 पन्ने हैं। इनमें विवाह और विवाह विच्छेद, लिव इन रिलेशनशिप, जन्म और मृत्यु पंजीकरण तथा उत्तराधिकार संबंधी नियमों के पंजीकरण संबंधी प्रक्रियाओं को तय किया गया है।यह नियमावली ही स्पष्ट करेगी कि यदि विवाह, विवाह विच्छेद, लिव इन रिलेशनशिप, जन्म-मृत्यु का पंजीकरण नहीं करवाया तो क्या कार्रवाई हो सकती है। उसकी प्रक्रिया कैसी होगी। कितनी सजा हो सकती है। इन्हीं नियमों के तहत यूसीसी लागू होने के बाद उन सभी पति-पत्नी को विवाह का पंजीकरण कराने के लिए छह माह का समय दिया जाएगा, जिन्होंने कानून लागू होने से पहले शादी की।

उत्तराखण्डः अवैध धर्मस्थल पर चला प्रशासन का बुलडोजर

हरिद्वार। उत्तराखंड में एक बार फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार का जोरदार बुलडोजर ऐक्शन हुआ है। हरिद्वार जिले के बहादराबाद में मीरपुर गांव में अवैध मजार को धवस्त कर दिया गया है। धवस्तीकरण के दौरान पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर था। भारी पुलिस फोर्स भी तैनात किया गया था। बहादराबाद क्षेत्र के मीरपुर गांव में शनिवार दोपहर को बुलडोजर ऐक्शन से माहौल गरमा गया था। इलाके में पुनर्वास विभाग की जमीन पर अवैध मजार को तोड़ दिया गया। हरिद्वार जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को अंजाम दिया। टिहरी बांध परियोजना पुनर्निवास मंडल ऋषिकेश की भूमि पर हरिद्वार के गढ़मीरपुर ग्राम में बने अवैध धर्मस्थल को प्रशासन ने बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया। पूर्व में नोटिस जारी करने के बावजूद संबंधित ने दो बीघा भूमि से खुद अपना अतिक्रमण नहीं हटाया था। जिसके बाद शनिवार को प्रशासन और पुलिस की टीम ने एसडीएम अजयवीर सिंह के नेतृत्व में अतिक्रमण हटा कर भूमि को खाली कराया। शनिवार को पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने ग्राम गढ़मीरपुर पहुंच कर अवैध धर्मस्थल को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई पर डीएम कमेंद्र सिंह ने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान के तहत कार्रवाई गतिमान है। साथ ही अतिक्रमण को चिह्नित भी किया जा रहा है। पूर्व के समय में सिंचाई विभाग ने संबंधित को पट्टा जारी किया था। पट्टे

की अवधि पहले समाप्त हो चुकी है। बाद में यह भूमि निदेशक पुनर्निवास विभाग को चली गई। भूमि पर टिहरी विस्थापितों का पुनर्निवास होना है। कुल भूमि में दो बीघा भूमि पर कुछ लोगों ने धार्मिक स्थल का निर्माण नियम विरुद्ध अवैध रूप से कर दिया। पूर्व में अवैध धर्मस्थल स्वामी को नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। संबंधित ने खुद अतिक्रमण हटाने की बात कही थी। लेकिन समय सीमा समाप्त होने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने पर कार्रवाई की गई है। आगे भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेंगी। किसी भी धर्म का कोई भी धर्मस्थल, जो अवैध बना हुआ है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।एक दूसरे पर लगा रहे आरोपः धर्मस्थल हटाने के मामले में बयान बाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस के कलियर विधायक फुरकान ने कहा बिना समय दिए धार्मिक स्थल हटाया गया है। एक समुदाय विशेष के साथ प्रशासन जानबूझकर ऐसा कर रहा है। कहा की भाजपा लोगों को हिंदू और मुस्लिम में उलझा कर रखना चाहती है। भाजपा सभी मुद्दों पर फेल साबित हुई है। इस कारण ऐसे षडयंत्र रच रही है। वहीं भाजपा के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि राज्य में कोई भी अवैध स्थल है। उस पर सरकार कार्रवाई करेगी। अतिक्रमण हटाना सरकार की नीति है। कांग्रेसी खिसिया गए है। इस कारण ऐसे बयान दे रहे है। कांग्रेस ने देश को धर्म, जाती और बिरादरी के बांटा है।

सम्पादकीय

कहीं गरम, नहीं नरम!

निज्जर हत्याकांड में कनाडा के हाथ ओटवा स्थित भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और कई अन्य राजनयिकों तक पहुंचते दिखे। उसने इन राजनयिकों को 'पर्सन्स ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर दिया। कनाडाई कानून में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' उस व्यक्ति को कहा जाता है, जिसके पर किसी अपराध में शामिल होने के ठोस सबूत तो ना मिला हो, लेकिन शक हो कि संबंधित व्यक्ति की भूमिका हो सकती है। इसलिए उससे पूछताछ या उसकी जांच की जरूरत जांचकर्ता महसूस करते हैं। कनाडा ने भारत से कहा कि इन राजनयिकों को मिला कूटनीतिक अभयदान वह हटा दे, ताकि उनके खिलाफ जांच हो सके। भारत ने इससे इनकार करते हुए कनाडा– खासकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रुडो के खिलाफ बेहद सख्त बयान जारी किया। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक तब कनाडा ने वर्मा सहित छह नागरिकों को निष्कासित कर दिया, हालांकि भारत ने एलान किया कि उसने उन्हें वापस बुलाया है। बदले में भारत ने नई दिल्ली स्थित छह कनाडाई राजनयिकों को निकाल दिया। दूसरी तरफ खबर है कि अमेरिका स्थित खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले में भारतीय जांचकर्ताओं ने अमेरिकी मांग के मुताबिक कथित 'सीसी–1' की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया है। जांच में प्रगति की सूचना देने एक भारतीय दल अमेरिका पहुंच रहा है। मगर पेच यह खबर है कि कनाडा में मारे गए खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप निज्जर के मामले में भी अमेरिका ने कनाडा सरकार के रुख का समर्थन किया है। खबरों के मुताबिक अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने साझा तौर पर इन दोनों मामलों में भारतीय अधिकारियों से कई दौर की वार्ता की है। अमेरिका और कनाडा फाइव आईज समझौते का हिस्सा हैं, जो आपस में साक्ष्य साझा करते हैं। इसलिए भारत सरकार का पन्नू और निज्जर मामलों में अलग–अलग रणनीति अपनाना संभवतः दीर्घकाल में कारगर ना हो। दोनों मामलों में भारत पर एक जैसे इल्जाम लगे, जिनका खराब असर भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ा है। इससे विदेश नीति में अमेरिकी धुरी को प्राथमिकता देने की नरेंद्र मोदी सरकार की रणनीति को झटका लगा है। इस मुश्किल से वह कैसे उबरती है, भारत की भावी अंतरराष्ट्रीय भूमिका काफी कुछ इस पर निर्भर करेगी।

जयशंकर चुप ही रहे

पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में क्यों नहीं है? फिर उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं? विदेश नीति के मोर्चे पर भारत को गहरे आत्म–निरीक्षण की जरूरत है, लेकिन वर्तमान सरकार से इसकी अपेक्षा निराधार है। इस सरकार की पहचान प्रतिकूल स्थितियों में अनुकूलता के तत्व गढ़ने) की रही है। यही संकेत फिर मिला, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर वॉशिंगटन स्थित एशिया सोसायटी के संवाद में शामिल हुए। वैसे उनसे यह सुनना कर्णप्रिय लगा कि पड़ोसी देशों की अंदरूनी घटनाएं भारत की इच्छा के मुताबिक घटे, ऐसी अपेक्षा भारत नहीं रखता। संदर्भ लगभग दो महीने पहले बांग्लादेश में हुए सत्ता पलट और इसी हफ्ते श्रीलंका में आए चुनाव नतीजों का था। पांच अगस्त को शेख हसीना के देश छोड़ने पर मजबूर होने के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं उफ़ान पर हैं। इधर समझा जाता है कि श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनूरा कुमार दिसानायके और उनकी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना परंपरागत रूप से भारत विरोधी रही हैं। मतलब यह कि दो महीनों के अंदर दो पड़ोसी देशों में भारतीय विदेश नीति के लिए नई चुनौतियां पैदा हुई हैं।

भारत में स्वास्थ्य सेवा में बदलाव: आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई का प्रभाव और वादा

बीते छह वर्षों में इस योजना के तहत अस्पतालों में लगभग 7.8 करोड़ दाखिलों के साथ पीएम–जेएवाई ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है और उनके प्राणों की रक्षा की है और साथ ही, उन रोगियों के परिवारों को अस्पताल के खर्च के कारण गरीबी और पीड़ा के चंगुल में फंसने से भी बचाया है। यह योजना माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। पीएमजेएवाई ने प्रति लाभार्थी परिवार द्वितीयक और तृतीयक उपचार के लिए 5 लाख रुपये तक की नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करके सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के आधार को छुआ है। निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों द्वारा प्रचारित भारी–भरकम रकम की तुलना में यह राशि छोटी लग सकती है, लेकिन योजना की रूपरेखा और पैमाने को देखते हुए लाखों परिवारों के लिए इस राशि का प्रभाव जीवन बदलने वाला और जीवन रक्षक है।

विनोद के पॉल

राजू (बदला हुआ नाम), आयु 18 वर्ष, को सामान्य रूप से चलते हुए भी सांस लेने में तकलीफ होती थी और वह थकान महसूस करता था। साल 2017 में उसे सीने में दर्द के कारण दिल की गंभीर बिमारी से पीड़ित होने के बारे में पता चला। इलाज की अंतहीन जद्दोजहद में उसके पिता ने परिवार के मवेशी और जमीन तक बेच डाली और पांच लाख रुपये से अधिक रकम के कर्ज में डूब गए। साल 2019 में, उन्हें आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई) की ओर से एक पत्र मिला,लेकिन उन्होंने इसको ज्यादा अहमियत नहीं दी। साल 2022 में, राजू की हालत बिगड़ गई, जिसके लिए फौरन सर्जरी करने की आवश्यकता थी। वे हताश और बेबस हो चुके थे। तभी अस्पताल के एक कर्मचारी ने उनके परिवार को पीएमजेएवाई के बारे में पता करने की सलाह दी और उनकी पात्रता की पुष्टि की। इसकी बदौलत राजू की लगभग 1.83 लाख रुपये की लागत वाली जीवन रक्षक सर्जरी संभव हो सकी। आखिरकार, 67 दिन बाद उसे नए सिरे से जिंदगी शुरु करने के लिए अस्पताल से छुट्टी दे मिल गई।

आशा, सेहत और खुशी से भरपूर यह कहानी, उन अनगिनत कहानियों में से एक है, जो एबी पीएमजेएवाई के लाभार्थियों के जीवन के इर्द–गिर्द बुनी गई हैं।

बीते छह वर्षों में इस योजना के तहत अस्पतालों में लगभग 7.8 करोड़ दाखिलों के साथ पीएम–जेएवाई ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है और उनके प्राणों की रक्षा की है और साथ ही, उन रोगियों के परिवारों को अस्पताल के खर्च के कारण गरीबी और पीड़ा के चंगुल में फंसने से भी बचाया है। यह योजना माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

पीएमजेएवाई ने प्रति लाभार्थी परिवार द्वितीयक और तृतीयक उपचार के लिए 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करके सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के आधार को छुआ है। निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों द्वारा प्रचारित भारी–भरकम रकम की तुलना में यह राशि छोटी लग सकती है, लेकिन योजना की रूपरेखा और पैमाने को देखते हुए लाखों परिवारों के लिए इस राशि का प्रभाव जीवन बदलने वाला और जीवन रक्षक है।

योजना की रूपरेखा के अनुसार, पीएमजेएवाई का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती रोगियों को द्वितीयक और तृतीयक देखभाल उपलब्ध कराना है, तथा बहिरंग रोगी सेवाएं इस योजना के अंतर्गत नहीं आती। एक महत्वाकांक्षी व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल मिशन के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के इस दूसरे घटक पर समान रूप से गौर किया जा रहा है, जिसके तहत 1,75,000 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्थापित किए गए हैं, जिन्हें पहले स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र कहा जाता था। इनमें निःशुल्क परामर्श, और कई दवाएं (172 तक) और निदान (63 तक) निःशुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। वर्तमान में सरकारी प्रयासों का केंद्र इन दोनों प्रणालियों में देखभाल का सुदृढ़ दो–तरफ़ा सम्मिलन और निरंतरता है। भारत का यूएचसी मॉडल सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित है। स्वास्थ्य नीति और सेवाओं को अलग–थलग करके नहीं अपितु समग्रता में देखे जाने की आवश्यकता है।

इस योजना के कार्यान्वयन के दौरान, स्वास्थ्य लाभ पैकेज (एचबीपी) के तहत प्रक्रियाओं और कीमतों को संशोधित और युक्तिसंगत बनाया गया है। साल 2018 में एचबीपी की संख्या 1393 थी, जो 2022 तक बढक़र 1949 हो गई। स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में क्षेत्रीय भिन्नता को ध्यान में रखते हुए, विभेदक मूल्य निर्धारण की अवधारणा शुरू की गई है। साथ ही, स्थानीय संदर्भ के अनुसार एचबीपी दरों को और अधिक अनुकूलित करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अतिरिक्त लचीलापन प्रदान किया गया है।

सेवाओं की निर्बाध प्रदायगी सुनिश्चित करने और व्यवस्था में दुरुपयोग की गुंजाइश को कम करने के लिए पीएमजेएवाई स्वाभाविक रूप से प्रौद्योगिकी–संचालित है, और पेपरलेस या कागज़ रहित होने के साथ–साथ कैशलेस या नकदी रहित भी है। इसमें प्रतिपूर्ति या सह–भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि अधिकांश दावों का निपटान समय पर होता है, लेकिन राज्यों के साथ साझेदारी में और सुधार लाने के लिए गहन प्रयास किए जा रहे हैं।इस योजना की सफलता और जन कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के कारण इस वर्ष इसके दायरे को बढ़ाने के लिए दो बड़े कदम उठाए गए हैं। अंतरिम बजट में सरकार द्वारा इस योजना को विस्तारित करते हुए आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को इसके दायरे में लाया गया।

दूसरा, भारत की बढ़ती जीवन प्रत्याशा के मद्देनजर, एक और बड़ा कदम सरकार का 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति की परवाह न करते हुए पीएमजेएवाई कवरेज देने का निर्णय है। इससे 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों वाले 4.5 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। भारत में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) की स्वास्थ्य से संबंधित 75वें चरण की रिपोर्ट से पता चलता है कि इस आयु वर्ग के लिए अस्पताल में भर्ती होने की दर 11 प्रतिशत से अधिक है। लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एलएएसआई) की 2021 की रिपोर्ट से पता चलता है कि 75 प्रतिशत बुजुर्गों को एक या एक से अधिक पुरानी बीमारियां हैं, 40 प्रतिशत को किसी न किसी तरह की विकलांगता है, और 4 में से 1 बहु–रुग्णता से पीड़ित है। उल्लेखनीय रूप से, 58 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी महिलाओं की है, जिनमें 54 प्रतिशत विधवाएं हैं। वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित अनेक निजी बीमा उत्पादों के विपरीत, पीएमजेएवाई किसी भी वरिष्ठ नागरिक को पहले से चली आ रही बीमारी के कारण बाहर नहीं करता है; न ही यह लाभ देने से पहले किसी वर्ष की प्रतीक्षा अवधि की शर्त रखता है। वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करके यह योजना उन्हें स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने में समर्थ बनाती है।

पीएमजेएवाई सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य क्षेत्रों को एक राष्ट्र, एक प्रणाली के सूत्र में जोड़ता है। वर्तमान में, पीएमजेएवाई के पास 29,000 से अधिक सूचीबद्ध अस्पतालों का अखिल भारतीय नेटवर्क है, जिनमें लगभग 13,000 निजी अस्पताल शामिल हैं। इसके अलावा, इनमें से लगभग 25,000 अस्पताल टियर–2 और टियर–3 शहरों में स्थित हैं। निजी क्षेत्र में अधिकृत अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या और मात्रा का अनुपात क्रमशः 57 प्रतिशत और 67 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भागीदारी को दर्शाता है। लाभार्थी के पास राज्य के दिशा–निर्देशों के अनुसार सूचीबद्ध अस्पताल, सार्वजनिक या निजी, चुनने का विकल्प मौजूद है।

इस योजना ने अनेक राज्यों में सरकारी अस्पतालों में भी सेवा प्रदायगी को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। इन अस्पतालों ने अपनी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए योजना के तहत प्रतिपूर्ति की गई धनराशि का उपयोग किया है। कवरेज और पहुंच की बढ़ती रफ्तार के साथ पीएमजेएवाई में टियर 2 और 3 शहरों में एक ऐसे बाजार के निर्माण के जरिए निजी अस्पतालों के विकास को बढ़ावा देने की क्षमता मौजूद है, जहां पहले भुगतान क्षमता की कमी के कारण मांग पूरी नहीं हो पाती थी।

हाल ही में एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री द्वारा किए गए अध्ययन (घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022–23 से इकाई–स्तरीय डेटा पर आधारित) में निष्कर्ष निकाला गया है कि पिछले 10 वर्षों में हमारी आबादी का निचला 50 प्रतिशत हिस्सा चिकित्सा व्यय से संबंधित आघातों के प्रति काफी कम संवेदनशील हो गया है; और यह प्रवृत्ति निकटता से पीएमजेएवाई से संबद्ध है।

आज बहुत से लोग स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं और साथ ही अपनी संपत्ति और बचत का भी संरक्षण कर पा रहे हैं।आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तत्पर है। आखिरकार,अच्छा स्वास्थ्य, कल्याण, राष्ट्रीय उत्पादकता और समृद्धि का आधार है।

विमानों और पायलटों पर जाँच कड़ी ही नहीं औचक भी होनी चाहिए

रजनीश कपूर

मामला देश की एक नई निजी एयरलाइन का है। इसके पास मात्र 25 हवाई जहाज़ हैं। हाल ही में उनमें से 14 हवाई जहाज़ों में रडर कंट्रोल सिस्टम' (पतवार नियंत्रण सिस्टम) को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन डीजीसीए द्वारा नोटिस दिया गया। ग़ौरतलब है कि रडर कंट्रोल सिस्टम' विमान को इंजन फेल होने की स्थिति में उसके निर्धारित मार्ग में चलने में सहायता करता है। इसके अलावा विमान के टेक–ऑफ और लैंडिंग के समय भी विमान को सही दिशा में रखने में सहायक होता है।

आज की व्यस्त जिंदगी में हम सभी समय को काफ़ी महत्व देते हैं। कहीं भी यात्रा करनी हो तो हम कोशिश करते हैं कि यात्रा जल्द से जल्द पूरी हो। ऐसे में जो भी लोग हवाई यात्रा का वहन कर सकते हैं वे फ्लाइट से यात्रा करना ही पसंद करते हैं। इसी तरह जो भी व्यक्ति हवाई यात्रा में भी विशिष्ट सेवा लेना चाहते हैं वे निजी चार्टर कंपनियों की सेवा लेते हैं और अपनी सुविधानुसार यात्रा करना पसंद करते हैं। बीते कुछ दशकों में हमारे देश में हवाई यात्रा के आँकड़े काफ़ी तेज़ी से बढ़े हैं। इसके लिए निजी कंपनियों का नागरिक उड्डयन क्षेत्र में आना एक अहम कारण माना जाता है।

अधिक से अधिक निजी एयरलाइन के आने से हवाई यात्रियों को अपनी सुविधानुसार यात्रा करने का विकल्प भी मिला है। परंतु जिस तरह निजी क्षेत्र के यह ऑपरेटर प्रायः मुनाफ़ा कमाने की मंशा से यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर जाते हैं वह चिंताजनक है। आए दिन हमें इस बात की खबरें मिलती हैं कि पुराने इंजन या पुर्ज़ों के चलते कई निजी कंपनियों के विमानों को ग्राउंड' होना पड़ा। कल्पना कीजिए कि यदि किसी विमान में ख़राब इंजन या अयोग्य पाइलट की वजह से कोई हादसा हो जाए तो दोष किसका होगा, विमान कंपनी का या नागरिक उड्डयन मंत्रालय का, या दोनों का

ताज़ा उदाहरण देश की एक नई निजी एयरलाइन का है जिसके पास मात्र 25 हवाई जहाज़ ही हैं। हाल ही में उनमें से 14 हवाई जहाज़ों में रडर कंट्रोल सिस्टम' (पतवार नियंत्रण सिस्टम) को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन डीजीसीए द्वारा नोटिस दिया गया। ग़ौरतलब है कि रडर कंट्रोल सिस्टम' विमान को इंजन फेल होने की स्थिति में उसके निर्धारित मार्ग में चलने में सहायता करता है। इसके अलावा विमान के टेक–ऑफ और लैंडिंग के समय भी विमान को सही दिशा में रखने में सहायक होता है।

रडर कंट्रोल सिस्टम' का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक व मैन्युअल दोनों तरीक़ों से किया जा सकता है। अधिकतर परिस्थितियों में रडर कंट्रोल सिस्टम' का इस्तेमाल मिड–एयर या यात्रा के दौरान नहीं किया जाता। मिसाल के तौर पर यदि आप सडक़ पर अपनी गाड़ी को 100 की स्पीड से चला रहे हैं और ऐसे में यदि आप अपनी गाड़ी का स्टीयरिंग जरा सा भी दाँय या बाएँ करेंगे तो कितनी गंभीर दुर्घटना हो सकती है आप इसका अनुमान लगा सकते हैं। ऐसे में यदि रडर कंट्रोल सिस्टम' जाम हो जाए या सही रख–रखाव न होने के कारण उसमें कोई तकनीकी दिक़्क़त आ जाए तो विमान दुर्घटना ग्रस्त भी हो सकता है।

यदि किसी भी एयरलाइन में, फिर वो चाहे शेड्यूल एयरलाइन हो या नॉन–शेड्यूल एयरलाइन, अनुभवी पायलट न हों तो वो इस आपात स्थिति से निपट नहीं पाएगा। यहाँ पर सवाल उठता है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय व डीजीसीए चुनिंदा निजी विमान कंपनियों व कुछ निजी चार्टर कंपनियों के प्रति इतनी उदार क्यों होती हैं कि उनके विमान व पायलटों की कड़ी जाँच नहीं करती

जाँच केवल कड़ी ही नहीं औचक भी होनी चाहिए जिससे कि हर विमान कंपनी चलाने वाले के दिल में इस बात का डर बैठा रहे कि मुनाफ़े के लालच में और भ्रष्टाचार के चलते वह यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ न कर सके। वहीं डीजीसीए में ऐसे तकनीकी विशेषज्ञ अवश्य हों जो ख़ानापूर्ति की नीयत से नहीं बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से ही विमानों और पायलटों की नियम अनुसार जाँच करें। सरकारी तंत्र का हिस्सा बनकर ख़ानापूर्ति करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों की भी जाँच मंत्रालय के सतर्कता विभाग से की जानी चाहिए।

हाल ही में फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने एक सुरक्षा चेतावनी जारी की, जिसमें कोलिन्स एयरोस्पेस एसवीओ–730 रडर रोलआउट गाइडेंस एक्चुएटर्स (आरआरजीए) से लैस कुछ बोइंग 737 विमानों में प्रतिबंधित या जाम रडर कंट्रोल सिस्टम' की संभावना के बारे में ऑपरेटरों को चेतावनी दी गई। इस चेतावनी में आगे कहा गया कि नमी जमा होने से, रडर कंट्रोल सिस्टम' उड़ान के दौरान जाम हो सकता है। इतना ही नहीं लैंडिंग के दौरान भी रडर कंट्रोल सिस्टम' जाम हो सकता है।

फ्लाइट क्रू को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिबंधित रडर कंट्रोल सिस्टम' स्थितियों से निपटने के लिए बोइंग की प्रक्रियाओं का पालन करें और ऑटोपायलट सिस्टम का उपयोग करके जांच करें। सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस को अलर्ट और प्रासंगिक बोइंग मार्गदर्शन से परिचित होना चाहिए। बोइंग ने अगस्त में रडर कंट्रोल सिस्टम' की समस्या से प्रभावित बोइंग 737 ऑपरेटरों को पहले ही सूचित कर दिया था। अब एफएए ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा स्वचालित जांच लैंडिंग से पहले रडर कंट्रोल सिस्टम' की सीमाओं का पता लगा सकती है।

पुष्पा: द रूल से अल्लू अर्जुन की नई झलक आई सामने, 6 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा: द रूल इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म पुष्पा: द राइज (2021) का सीक्वल है।अब फिल्म से अल्लू की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। पुष्पा राज बन वह एक बार फिर धमाल मचाएंगे को तैयार हैं।पुष्पा: द रूल 6 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना फिल्म छावा से होगा।

बता दें, साउथ एक्टर ब्रह्मा ने फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी है. एक्टर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया है. वीडियो में पुष्पा 2 के डायरेक्टर, ब्रह्मा, फहाद फासिल और एनिमल एक्टर सौरभ सचदेवा भी दिख रहे हैं. यह सभी एक कार में हैं. कार पुष्पा 2 के विलेन भंवर सिंह शेखावत फहाद चला रहे हैं. वहीं, पुष्पा 2 में शॉकिंग एंट्री सौरभ सचदेवा की है, जिन्होंने फिल्म एनिमल में बॉबी देओल के छोटे भाई का रोल प्ले किया था. सौरभ को फिल्म एनिमल से खूब शोहरत मिली है. अब पुष्पा 2 में सौरभ की एंट्री बताती है कि फिल्म और भी ज्यादा धांसू होने वाली है.पुष्पा: द रूल के निर्देशन की कमान सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था।

श्रद्धा कपूर को मिला नया प्यार

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी पेशेवर जिंदगी के साथ–साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं।हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने खुलासा किया था कि वह रिलेशनशिप में हैं और अपने साथी के साथ समय बिताना पसंद करती हैं।पिछले कुछ समय से श्रद्धा का नाम फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के लेखक राहुल मोदी के साथ जुड़ रहा है।अब खबर आ रही है कि श्रद्धा और राहुल का ब्रेकअप हो गया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा और राहुल को ब्रेकअप हो चुका है। दोनों स्त्री 2 की रिलीज से पहले ही अलग हो चुके हैं।राहुल से अलग होने के कुछ महीनों बाद अब श्रद्धा को नया प्यार मिल गया है।

बारिश ने भारत की उम्मीदों पर फेरा पानी, न्यूजीलैंड को जीत के लिए चाहिए 107

दिल्ली। इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड तीन मैच की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जारी है। चौथे दिन सरफराज खान और ऋषभ पंत ने शानदार बल्लेबाजी कर भारतीय टीम की मैच में वापसी कराई है। सरफराज खान ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ा, वहीं ऋषभ पंत शतक से चूक गए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 211 गेंद में 177 रन की साझेदारी हुई। सरफराज 195 गेंद में 150 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ऋषभ पंत 99 रन बनाकर आउट हुए। राहुल 16 गेंद में 12 रन ही बना सके। रविंद्र जडेजा 15 गेंद में पांच रन ही बना सके। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरी पारी में 99.3 ओवर में 462 रन बनाए हैं और 106 रन की बढ़त हासिल की। न्यूजीलैंड को पहला मैच जीतने के लिए 107 रन बनाने होंगे। न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में सिर्फ 4 गेंद डाली गई थी, जिसके बाद बारिश के कारण मैच को रोकना पड़ा और फिर स्टंप की घोषणा कर दी गई।

जिगरा पर भारी पड़ी विक्की विद्या का वो वाला वीडियो, छठे दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों और समीक्षकों की मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।हर गुजरते दिन के साथ इस फिल्म की दैनिक कमाई लगातार घटती जा रही है।आइए जानते हैं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने छठे दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी पहले बुधवार को 1.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 25.15 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म ने 5.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।बात दें कि राज शांडिल्य के निर्देशन में बनी इस फिल्म को लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कहानी विक्की (राजकुमार) और विद्या (तृप्ति) पर आधारित है, जो अपनी शादी के बाद पहली रात को यादगार बनाने के लिए वीडियो बनाते हैं, लेकिन वह वीडियो खो जाता है।

सरफराज खान ने 150 रन बनाकर हासिल किया बड़ा मुकाम

दिल्ली। सरफराज खान ने इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में कमाल की बल्लेबाजी की।

उन्होंने पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में कीवी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी। वह शनिवार को मुकाबले के चौथे दिन 150 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्होंने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 195 गेंदों का सामना किया, जिसमें 18 चौके और 3 छक्के जड़े। 26 वर्षीय सरफराज की यह पहली इंटरनेशनल सेंचुरी है। उन्होंने इसी साल फरवरी में डेब्यू किया था।

अंपायर से भारतीय खिलाड़ियों को बहस करते देख भाग खड़े हुए कीवी खिलाड़ी

दिल्ली। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में चौथे दिन के खेल के आखिरी सत्र में भारत की दूसरी पारी को 462 रन पर समेट दिया, जिससे उसे जीत के लिए 107 रन की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने लक्ष्य का पीछा करना शुरू किया ही था कि पहले ओवर के दौरान खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने मैच को रोक दिया।

इसके बाद तेज बारिश होने लगी और दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया। हालांकि न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के दौरान अंपायरों ने खराब होते मौसम को देखते हुए मैच को रोकने का फैसला किया, जिससे भारतीय खिलाड़ी नाराज दिखे, कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अंपायर से न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को वापस बुलाने के लिए कहा, जोकि भारतीय खिलाड़ियों को अंपायर से बहस करता देख मैदान से बाहर चले गए। न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य मिला है। दूसरी पारी में पहले ही ओवर में जसप्रीत बुमराह शानदार गेंदबाजी करते हुए नजर आए। इस ओवर में भारत ने लेथम के खिलाफ एलबीडब्ल्यू के लिए रिव्यू भी लिया था लेकिन वह बच गए। इस ओवर में चार गेंद के होने के बाद ही अंपायर ने खेल को रोकने का निर्णय किया, जिससे भारतीय खिलाड़ी नाखुश दिखे। कप्तान रोहित शर्मा ने अंपायर से बातचीत की लेकिन कप्तान की बात नहीं सुनी गई, जिससे वह और नाराज दिखे। सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली भी अंपायर्स से बात करते नजर आए। इस बीच न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने मैदान छोड़ दिया और ड्रेसिंग रूम चले गए , जिससे भारतीय खिलाड़ी और गुस्सा हो गए और अंपायर से न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को वापस बुलाने के लिए दबाव बनाया हालांकि तेज बारिश होने के कारण भारतीय खिलाड़ी भी मैदान से बाहर चले गए।

सजना है मुझे सजना के लिए, करवाचौथ को लेकर नए जोड़ों में दिखा उत्साह

करवाचौथ से पूर्व हाथों पर मेंहदी लगाती महिलायें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आज मनाएं जाने वाले करवाचौथ को लेकर सुहागिनों में उत्साह बना हुआ है। एक दिन पूर्व शनिवार को करवाचौथ पर सजने के लिए ब्यूटी पार्लर में सुहागिनों की भीड़ उमड़ी हुई थी। सबसे अधिक उत्साह नए जोड़ों में देखने को मिला। महिलाओं ने श्रृंगार के साथ ही हाथों में मनमोहक मेहंदी भी लगवाई।

करवाचौथ के लिए श्रृंगार, मेहंदी, पूजा व व्रत से जुड़ी सामग्री की खरीदारी को लेकर बाजार गुलजार रहे। देर रात तक मेहंदी लगवाने के लिए होड़ रही। त्योहारी सीजन के शुरुआती पर्व करवाचौथ पर दुकानों में उमड़ी भीड़ के बीच दुकानदारों के पास फुर्सत नहीं थी। ग्राहकों की भीड़ देखकर दुकानदारों के चेहरे खिले नजर आए। झंडाचौक, मालनी बाजार, पटेल मार्ग सहित अन्य क्षेत्रों में महिलाओं ने करवा, कैलेंडर, सुहाग का श्रृंगार, सजावटी चलनी, थाली, पीतल का लोटा, सीक, साड़ियां आदि सजने-संवरने का सामान खरीदा। इसके अलावा किराना, मिष्ठान, फल आदि दुकानों पर भी ग्राहकों की भारी भीड़ रही। अचानक उमड़ी भीड़ के कारण सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए पुलिस को काफी पसीना बहाना पड़ा।

ब्यूटीशियन से सजने का क्रेज

ब्यूटीशियन से सजने-संवरने का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है तो मेहंदी लगवाने की होड़ लगी है। कहीं घर पर ब्यूटिशयन को बुलाया जा रहा है तो कोई पहले से ही ब्यूटी पार्लर में टाइम बुक करा रहा है। सबसे अधिक फेशियल की डिमांड है, इसमें कई तरह की वैरायटी हैं और सबका चार्ज भी अलग-अलग है। ग्लो के लिए ओ श्री प्लस, लोटस गोल्ड सिन, सिल्वर, इनकाया आदि अन्य कई ऐसे फेशियल हैं जिन्हें महिलाएं करा रही हैं।

कोटद्वार की टीम रही दूसरे स्थान पर

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : टनकपुर चम्पावत में चल रही स्कूल स्टेट बक्सिंग प्रतियोगिता में कोटद्वार की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों की इस सफलता पर अभिभावकों व खेल शिक्षकों ने खुशी व्यक्त की है।

छात्रावास कोच श्याम सिंह डांगी ने बताया कि चंपावत में 15 से 17 अक्टूबर तक समस्त जिलों के लिए बक्सिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष प्रतियोगिता में कोटद्वार की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। बॉक्सर ने अपने पंचों का दम दिखाते हुए राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कोटद्वार के बॉक्सर ने सात स्वर्ण तीन सिल्वर व तीन कांस्य पदक अपने नाम किए। दीपक रावत ने 44 से 46, अंशवीर ने 46 से 48, राज सिंह ने 48 से 50, धर्मेंद्र थापा ने 44 से 46, अयान खान ने 50 से 52, अभीषेक ने 52 से 54, सलमान ने 57 से 60 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। युवराज आर्या ने 44 से 46, वंश खाती ने 46 से 49 एवं धीरज कोरंगा ने 49 से 52 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक, अंश ने 34 से 36, प्रत्युष डोभाल ने 54 से 57, हिमांशु बिष्ट 60 से 63 किलोग्राम में कांस्य पदक जीता। इस मौके पर रक्षित जोशी, अभय धामी, अभिषेक सिंह, विनोद पंत, महेश कुकरेती, धीरेंद्र रावत, सुनील रावत आदि मौजूद रहे।

दौड़ में स्वीत के अभिषेक और प्रेरणा दौड़ी सबसे तेज

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड खिर्सू के न्याय पंचायत देवलगढ़ की अंडर-14 और अंडर-17 बालक/बालिका वर्ग की खेलकूद प्रतियोगिता शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज देवलगढ़ के खेल मैदान में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपना दमखम दिखाया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध राजराजेश्वरी एवं गौरा देवी मंदिर के मुख्य पुजारी कुंजिका प्रसाद उनियाल ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होने छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी ध्यान देने का आह्वान किया। इस मौके पर आयोजित अंडर-14 की 60 मीटर दौड़ में राजकीय माध्यमिक विद्यालय दत्ताखेत के गोपाल भंडारी ने प्रथम, बालिका वर्ग में राजकीय इंटर कॉलेज देवलगढ़ की निशा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद में राजकीय माध्यमिक विद्यालय दत्त-ाखेत के गोपाल भंडारी ने प्रथम स्थान पर रहें। अंडर-17 वर्ग की 100 मीटर दौड़ में राजकीय इंटर कॉलेज स्वीत के अभिषेक और प्रेरणा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर दुर्गेश प्रसाद, राइंका देवलगढ़ के प्रधानाचार्य अवधेशमणि लाल, विवेक कपरूवाण, मनवीर पंवार, अजय रावत, प्रकाश रावत, रविंद्र बडथ्वाल, शैलेंद्र नयाल, सुनील सोनी, भारतमणि नैथानी, रश्मि लिंगवाल, प्रमीला सकलानी, शिवानी कठैत, शशि देशववाल, चंद्रकांत कैंथोला सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

नजीबाबाद रोड व देवी रोड में लगेगी पटाखों की दुकान

कोटद्वार कोतवाली में पटाखा व्यापारियों से वार्ता करते उपजिलाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दीपावली त्योहार पर पटाखों की दुकान लगाने को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। शनिवार को प्रशासन ने व्यापारियों के साथ बैठक करते हुए नजीबाबाद रोड स्थित एक खाली मैदान व देवी रोड स्थित विजय गार्डन में पटाखों की दुकान लगवाने का निर्णय लिया। पूर्व में भी पटाखों की दुकान इन्हीं स्थानों पर लगी थी।

इस संबंध में आयोजित बैठक में उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी ने कहा कि दीपावली त्योहार को देखते हुए पटाखा बाजार के लिए सुरक्षित स्थानों का चयन किया गया है। कहा कि भीड़-भाड़ को देखते हुए दो जगहों को चिह्नित किया गया है। दोनों जगहों पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से पटाखा दुकानों के लिए टिन शेड बनवाएं जाएंगे। कहा कि प्रयास होगा कि पटाखे की प्रत्येक दुकानें टिन शेड के भीतर की लगेंगी। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को पटाखा बाजार के लिए चिह्नित मैदानों में सफाई व्यवस्था दुरस्त करने के निर्देशित किया। विद्युत विभाग व जल संस्थान को विद्युत व पानी की समुचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए है। अग्निशमन अधिकारी को व्यापारियों को आग से बचाव के इंतजाम करवाने के लिए विशेष गाइड लाइन जारी करने को कहा है। उन्होंने पटाखा व्यापारी को अपनी दुकान में फायर सिलेंडर, पानी व रेत रखना जरूरी है। ताकि आग लगने की घटना को रोका जा सके। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी विभव सैनी, व्यापार मंडल के महामंत्री नवीन गोयल, जितेंद्र भाटिया, सहायक नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, अग्निशमन अधिकारी रमेश चंद्र, ऊर्जा निगम के सहायक अभियंता कमल सिंह, जल संस्थान के अवर अभियंता त्रिभुवन गुसांई, सफाई निरीक्षक सुनील कुमार मौजूद रहे।

गुर्दा रोग विशेषज्ञ की हो नियुक्ति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्व. सरोजनी देवी लोक विकास समिति ने कोटद्वार राजकीय बेस चिकित्सालय में गुर्दा रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति करवाने की मांग की है। इस संबंध में समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी ने शासन को ज्ञापन भेजा। कहा कि कोटद्वार में स्थित राजकीय बेस चिकित्सालय में पहाड़ के साथ ही मैदान के कई मरीज आते हैं। लेकिन, गुर्दा रोग विशेषज्ञ नहीं होने से मरीजों को अन्य शहरों की दौड़ लगानी पड़ती है। जिससे उनका समय व धन बर्बाद होता है। कहा कि चिकित्सालय में डायलिसिस करवा रहे गुर्दा रोगियों की संवेदनशील स्थित को देखते हुए गुर्दा रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति करवाना आवश्यक है।

गोखले मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वरिष्ठ नागरिक मंच ने गोखले मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग की है। कहा कि अतिक्रमण के नाम पर पुलिस व प्रशासन केवल खानापूर्ति रवैया अपना रही है। जबकि, अतिक्रमण के कारण शहरवासियों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।समस्या के संबंध में मंच के प्रचार सचिव आरसी कोठारी ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। बताया कि गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में अतिक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। जगह-जगह सड़क पर सजी दुकानों व रेहड़ी ठेलियों ने आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल कर दिया है। सबसे बुरी स्थिति गोखले मार्ग पर बनी हुई हुई है, जहां लगातार रेहड़ी-ठेलियों की संख्या बढ़ती जा रही है। जबकि, शहरवासी लगातार गोखले मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग उठाते आए हैं।

दो अपराधियों पर जिला बदर की कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मजिस्ट्रेट पौड़ी ने दो आदतन अपराधियों पर जिला बदर की कार्रवाई की है। इस संबंध में आदेश जारी करते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने दोनों को संबंधित थानों में हर महीने अपनी उपस्थित दर्ज करवाने को भी कहा है। जिला मजिस्ट्रेट पौड़ी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि थाना रिखणीखाल क्षेत्र से अनिल सिंह और कोतवाली क्षेत्र से मुकेश चौहान को छह-छह महीने के लिए जिला बदर कर दिया गया है। साथ ही दोनों को संबंधित थानों में हर महीने अपनी उपस्थिति भी देनी होगी। पुलिस को इन पर कड़ी नजर रखने के लिए कहा गया है।

जिला पंचायत सदस्यों ने किया यज्ञ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी में छह सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठे जिला पंचायत सदस्यों ने शनिवार को जिला पंचायत कार्यालय के बाहर यज्ञ किया।

जिला पंचायत की कार्यप्रणाली से खफा सदस्य बीते बुधवार से अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं। पंचायत सदस्यों ने कहा है कि पटलों पर वरिष्ठ कार्मिकों की तैनाती की जानी चाहिए। पंचायत सदस्यों ने कहा है कि यदि मांगों को लेकर कोई कदम नहीं उठता तो सदस्य उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे। शनिवार को धरना देने वालों में जिला पंचायत की सीट जंगदेई के सदस्य वीरेंद्र रावत, ल्वाली सीट के सदस्य कुलदीप सिंह, कुल्हाड़ सीट से सदस्य कुलभूषण, अंदोली सीट के सदस्य अजीत सिंह और थैर सीट के सदस्य गौरव रावत सहित कोट सीट की जिला पंचायत सदस्य सीमा सजवाण शामिल रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारी को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व मुख्यमंत्री स्व. नारायण दत्त तिवारी के जन्मदिन पर कांग्रेस ने उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा कि प्रदेश हित के लिए दिए गए तिवारी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सदस्यों ने नारायण दत्त तिवारी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के विकास के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। केंद्र में मंत्री हो या दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री के रूप में तिवारी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उत्तराखंड के अंदर सिडकुल की स्थापना हो, पहाड़ों पर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचना हो, राज्य के अंदर मंडी की स्थापना हो ऐसे कई सारे कार्य उनके द्वारा किए गए, जिनको लोग आज भी याद करते हैं। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में नगर अध्यक्ष संजय मित्तल, सुनील सेमवाल, विजय माहेश्वरी, देवेंद्र सिंह नेगी, सतेंद्र सिंह नेगी, बलवंत सिंह रावत, हेमचंद पंवार, मानसेर सिंह सैनी, मनीष चातुरी, मुदित, विजय रावत आदि शामिल रहे।

पत्रांक Ghass/638/24 दिनांक 19/10/2024

Walk in Interview

लक्ष्यगीत हस्तक्षेप परियोजना (टी0आई0) घास

ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था द्वारा संचालित **NACO** एवं उत्तराखण्ड **USACS** देहरादून के सहयोग से लक्ष्यगत हस्तक्षेप (टी0आई0) परियोजना कोटद्वार में संस्था को लेखाकार **(M&EO/Accountant)** के पद पर अस्थाई कार्य करने हेतु अभ्यर्थी की आवश्यकता है।

क्र0 सं0	पद	सं0	वेतन + यात्रा भत्ता	शैक्षिक योग्यता /अनुभव
1	लेखाकार (M&EO/Accountant)	1	16000+ यात्रा भत्ता	स्नातक गणित/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी/वाणिज्य व 2 वर्ष का डाटा प्रबन्धन व वित्तीय रिकार्ड व एकाउन्ट का अनुभव (कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षित)

इच्छुक अभ्यर्थी अपना बायोडाटा तथा अपने समस्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रति एवं छाया प्रति लेकर दिनांक 28/10/2024 को प्रातः 11:30 बजे संस्था प्रशासनिक कार्यालय ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था, ग्राम मानपुर कलालघाटी, निकट श्री शिव मन्दिर, कोटद्वार में साक्षात्कार के लिए उपस्थित हों। अधिक जानकारी के लिए - मो0 9548124476, 9411389781 पर सम्पर्क कर सकते है।

सचिव
ग्रामीण हिमालय अध्ययन
एवं संरक्षण संस्था, कोटद्वार।

कार्यालय सहायक अभियन्ता सिंचाई उपखण्ड चतुर्थ, दुगड्डा (गढ़वाल)

पत्रांकः- 362/स0अ0च0/निविदा/टी-3/ दिनांकः- 19.10.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या- 02/सअच/2024-25

उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से सहायक अभियन्ता चतुर्थ सिंचाई खण्ड, दुगड्डा के द्वारा निम्नलिखित कार्यों की मुहर बन्द निविदा 04-11-2024 अपराहन 5:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100/- के General Stamp paper पर रू0 1.00 /- का रसीदी टिकट लगाकर वैधता की शर्तों के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र दिनांक 21-10-2024 से दिनांक 04-11-2024 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है।

निविदायें दिनांक 05-11-2024 को अपरान्ह 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। अन्य शर्तें निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकती हैं। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकास खण्ड का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0 में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	जिला योजना मद के जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम बस्टोला में तुरेड तोक गदेरे में बाढ़ सुरक्षा कार्य।	यमकेश्वर	12,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
2	जिला योजना मद के जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम पैया के ग्रामीण मार्ग में सुदीप कपरूवाण के घर के नजदीक पुस्ते का निर्माण कार्य।					
	JOB-1-0.00 to 11.00m	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
	JOB-2-12-00 to 22-00m	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
3	जिला योजना मद के जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम मराल में खकता गदेरा में रजनीश सिंह के नजदीक बाढ़ सुरक्षा कार्य।	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
4	जिला योजना मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम बिजनी बडी में मुकेश सिंह गुसाई के नजदीक बाढ़ सुरक्षा कार्य।					
	JOB-1-0-00 to 12.50m	यमकेश्वर	10500.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
	JOB-2-12-51 to 25.00m	यमकेश्वर	10500.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
5	जिला योजना मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम मराल में खकता गदेरा में दमयन्ती देवी के नजदीक बाढ़ सुरक्षा कार्य।	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
6	जिला योजना मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम कण्डरा में बीन नदी में बाढ़ सुरक्षा कार्य।	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
7	जिला योजना मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम माला के पस्तोडा में बाढ़ सुरक्षा कार्य।	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
8	जिला योजना मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम चाई दमराडा के रगडतोक में बाढ़ सुरक्षा कार्य।	यमकेश्वर	12,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
9	जिला योजना मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम बोर गांव में बाढ़ सुरक्षा कार्य।	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
10	जिला योजना मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर में राजसेरा नहर का मरम्मत कार्य।	यमकेश्वर	12,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
11	जिला योजना मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के प्रा0वि0 देवराणा के प्रांगण के नजदीक पुस्ता निर्माण कार्य।	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर
12	जिला योजना मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड यमकेश्वर के ग्राम मंगलिया में श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी स्व0 सूरज सिंह के घर के शौचालय के नजदीक पुस्ता निर्माण कार्य।	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	4 माह	डी एवं उच्चतर

शर्तेः-

1- प्रत्येक निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर धनराशि केवल राष्ट्रीयकृत बैंको, एफ0डी0आर, सी0डी0आर तथा भारतीय डाक विभाग द्वारा निर्गत बचत पास बुक/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में जो कि अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड दुगड्डा के नाम से बंधक हो, संलग्न करनी अनिवार्य है।
2- बिना बन्धक वाली धरोहर राशि की निविदा मान्य नहीं होगी, और इस आशय का नोट तुलनात्मक विवरण प्रपत्र में अंकित कर सम्बन्धित ठेकेदार की निविदा तत्काल निरस्त कर दी जायेगी।
3- सशर्त निविदा स्वीकार नहीं होगी।
4- किसी अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
5- डाक, तार, फैक्स, इलैक्ट्रानिक माध्यम से प्राप्त निविदायें मान्य नहीं होगी।
6- सफल निविदादाताओं को अनुबन्ध करने से पूर्व नियमानुसार सम्पूर्ण 10 प्रतिशत देय धरोहर धनराशि राष्ट्रीयकृत बैंको की एफ0डी0आर/सी0डी0आर तथा भारतीय डाक विभाग द्वारा निर्गत बचत बैंक की पासबुक/बचत पत्र के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा, अन्यथा उनके द्वारा डाली गयी निविदा अस्वीकृत कर दी जायेगी तथा निविदा के साथ जमा धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
7- निविदा प्रपत्रों के साथ रू0 100.00 का नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प 1.00 रूपये के रसीदी टिकट एवं निर्धारित हस्ताक्षरित घोषणा पत्र संलग्न करना अनिवार्य है अन्यथा डाली गयी निविदा मान्य नहीं होगी तथा निविदा रद्द कर दी जायेगी।
8- निविदा में दी गयी दरें निविदा डालने के दिनांक से 90 दिन तक मान्य रहेगी।
9- निविदादाता को अनुबन्ध करते समय नियमानुसार धरोहर धनराशि पर निर्धारित स्टाम्प डयूटी नान जूडिशियल स्टाम्प के रूप में देय होगी।
10- शासन द्वारा निर्धारित जीएसटी, आयकर, रॉयल्टी, लेवर सेस व अन्य कटौतियॉ ठेकेदार के बीजक से नियमानुसार काटी जायेगी।
11- अनुबन्धित ठेकेदार द्वारा स्वयं कार्य स्थल पर कार्य कराया जायेगा। वे किसी अन्य व्यक्ति को सबलैट नहीं करायेंगे, ताकि कार्य की गुणवत्ता के लिये अनुबन्धित ठेकेदार को उत्तरदायी ठहराया जा सके।
12- निविदादाता को मुहर बन्द लिफाफे पर अपना नाम व पता अंकित करना अनिवार्य होगा।
13- कार्य की ड्राइंग व अन्य विवरण किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है।
14- सफल निविदादाता को प्रस्तुत किये गये सभी प्रमाण पत्रों की जॉच/सत्यापन के उपरान्त ही अनुबन्ध करने हेतु आमंत्रित किया जायेगा।
15- शेष सभी शर्तें नियमावली निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
16- यदि बाढ़, दैवी आपदा या अन्य किन्ही कारणों से ठेकेदार द्वारा कार्य स्थल पर लाई गई निर्माण व अन्य सामग्री को क्षति होती है, तो उसके लिए ठेकेदार स्वयं पूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा, बाद में उसका कोई दावा मान्य नहीं होगा।
17- निर्माण कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की सरकारी/गैर सरकारी क्षति होने पर ठेकेदार द्वारा स्वयं के धन से ठीक कराना होगा एवं कार्य स्थल पर किसी प्रकार की जन हानि आदि होने पर ठेकेदार ही पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा।
18- इस कार्य की गुणवत्ता की जॉच एक अलग संस्था द्वारा समय-समय पर उनकी प्रयोगशाला में करायी जायेगी, जिसमें निर्माण सामग्री की जॉच, सीमेंट की जॉच, कंक्रीट आदि की जॉच सम्मिलित है। इस संस्था द्वारा उपलब्ध जॉच ठेकेदार को मान्य होगी और यदि जॉच मानकों के अनुसार नहीं आती है, तो किया गया कार्य पुनः करना होगा या नियमों के अनुसार कार्यों में कमी के लिये आर्थिक दण्ड ठेकेदार द्वारा वहन किया जायेगा।

सहायक अभियन्ता
सिंचाई उपखण्ड चतुर्थ
दुगड्डा।

एक नजर

बहुउद्देशीय शिविर 21 को, तैयारी शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आगामी 21 अक्टूबर को खिर्सू में लगने वाले बहुउद्देशीय शिविर की तैयारियां जोरों पर चल रही है। सविल जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अकरम अली ने बताया कि राज्य विधिक सेवा पौड़ी के तत्वावधान में 21 अक्तूबर को खिर्सू में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन होगा। जिसमें नालसा जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को मिलेगा।

शिविर में विभाग भी अपने स्टॉल लगाते हुए योजनाओं की जानकारी देंगे। राजकीय इंटर कॉलेज खिर्सू में लगने वाले इस बहुउद्देशीय शिविर के सफल आयोजन के लिए जिले के सभी विभागों का सहयोग लिया जा रहा है। इस शिविर में योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने, विभागीय विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के फार्म भरवाएं जाएंगे। साथ ही आम लोगों की समस्याओं का भी निस्तारण किया जाएगा।

बाजारों में दिखी रौनक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : करवाचौथ पर्व को लेकर शनिवार को पौड़ी के बाजारों में चहल पहल रही। बाजारों में महिलाएं श्रृंगार, पूजा व व्रत से जुड़ी सामग्री खरीदती दिखाई दी। पौड़ी धारा के रोड से लेकर कलक्ट्रेट रोड तक करवाचौथ को लेकर दुकानें सजी रहीं। सुबह से ही मुख्यालय के आस-पास के ग्रामीण इलाकों से महिलाएं बाजार पहुंचीं और बाजार में काफी भीड़ रही। बाजारों में श्रृंगार सामग्री की दुकानों के साथ ही आभूषण और मिठाइयों की दुकानों में अधिक भीड़ देखी गई।

डायलिसिस यूनिट सूचारू न होने पर भड़के लोग

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कालेज श्रीनगर के टीचिंग बेस चिकित्सालय में डायलिसिस यूनिट सुचारु नहीं होने पर शनिवार को लोगों ने जमकर हंगामा काटा। डायलिसिस के मरीजों, छात्र नेताओं और स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रशासन पर मरीजों को परेशान करने का आरोप लगाया। चिकित्सालय प्रशासन के लिखित आश्वासन के बाद छात्र और परिजन माने।

शनिवार को अस्पताल में प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य सेवाएं लचर होने के कारण रोगियों को देहरादून की दौड़ लगानी पड़ रही है। कहा कि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत द्वारा सभी प्रकार के उपकरण देने के बावजूद भी मरीजों को बेस चिकित्सालय में सुविधाएं नहीं मिल रही है।

मौके पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुधीर जोशी, विभोर बहुगुणा, यशीश रावत ने कहा कि विगत डेढ़ माह से डायलिसिस यूनिट सूचारु नहीं होने से चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी और टिहरी से आने वाले मरीजों को भारी दामों में ऋषिकेश और देहरादून जाकर डायलिसिस करवाना पड़ रहा है। कहा कि बेस चिकित्सालय प्रशासन लगातार गुमराह करने का कोशिश कर रहा है।

करवा चौथ को लेकर दिखी खूब रौनक

श्रीनगर गढ़वाल : करवा चौथ के पर्व को लेकर बाजारों में खूब रौनक देखने को मिल रही है। नगर क्षेत्र के मुख्य बाजार गोला बाजार, काला बाजार, गणेश बाजार और वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग में सुबह से ही महिलाएं, लड़कियों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। चूड़ी, पूजा सामग्री और मिठाई के दुकानों पर भी पूरा दिन महिलाओं का आना जाना लगा रहा। पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं इस बार रविवार 20 अक्तूबर को करवाचौथ का व्रत रखेंगी। पर्व को लेकर कपड़ों की दुकानों पर भी महिलाओं की भीड़ देखने को मिली। जबकि देर शाम तक महिलाएं स्टॉलों और ब्यूटी पार्लरों में मेहंदी लगाती नजर आईं। (एजेंसी)

पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए भर्ती पूर्व प्रशिक्षण 4 नवम्बर से

चमोली : पूर्व सैनिकों के पुत्रों को सेना/पुलिस बल में भर्ती हेतु भर्ती पूर्व प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि 04 नवम्बर से 29 दिसम्बर तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय देहरादून में सैनिकों के बच्चों के लिए भर्ती पूर्व प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भर्ती में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी की उम्र 17 से 21 वर्ष के बीच, लम्बाई कम से कम 163 होनी चाहिए। अभ्यर्थी ने हाईस्कूल 45 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण या इण्टर पास की हो तथा बच्चों का नाम अभिलेख कार्यालय में दर्ज होना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी जिला सैनिक कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं। (एजेंसी)

विद्यार्थियों को इंटरव्यू पास करने के बताएं तरीके

आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को जानकारी देते विशेषज्ञ

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : खिखणीखाल भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय में आयोजित कस्यिर काउंसलिंग का समापन हो गया। इस दौरान छात्रों को इंटरव्यू देने के तरीके बताएं गए। आयोजित काउंसलिंग के अंतिम दिन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डा. विपिन पंवार ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कैस्यिर काउंसलिंग के नोडल अधिकारी डा. महेश चंद्र आर्या ने कहा कि जीवन में कड़ी मेहनत करने वाले विद्यार्थियों को सफलता अवश्य मिलती है। परामर्श समिति के अधिकारी नवीन थपलियाल ने विद्यार्थियों को इंटरव्यू पास करने के तरीके बताएं।

लंबी कूद में सिया, अमन ने मारी बाजी

पौड़ी : खेल महाकुंभ के तहत युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के तत्वावधान में पौड़ी ब्लॉक के राइंका क्वार्क में खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हो गया है। जिसमें अंडर-14 और अंडर-17 आयु वर्ग में बालक-बालिकाओं की कबड्डी, खो-खो, बॉलीबाल और एथेलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही है। पहले दिन अंडर-17 बालिका वर्ग की फर्राटा दौड़ में साक्षी नेगी ने पहला, सोनाक्षी ने दूसरा और भूमिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में सिया पहले, पलक दूसरे, जबकि सुष्टि तौसरे स्थान पर रही। अंडर-14 बालक वर्ग में अमन रावत ने पहला, अंकुशदीप ने दूसरा और हिमांशु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व प्रतियोगिताओं की शुरूआत बतौर मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी हनुमंत सिंह रावत, पूर्व सैनिक सते सिंह बिट आदि ने की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अजय पंवार, जिला खेल समन्वयक योगंबर सिंह, पीटीए अध्यक्ष मंगत सिंह गुसाईं, संरक्षक भरत सिंह रावत, प्रधान क्वार्क कुसुम देवी, बीडीसी राकेश डोभाल, एसएमसी अध्यक्ष पूनम रावत, शिक्षक जयदीप रावत, एसएस नेगी आदि मौजूद रहे।

जागा सरकारी सिस्टम, की छापेमारी

लैंसडौन में अभियान चलाते हुए विभाग की टीम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : त्योहारी सीजन को देखते हुए तहसील प्रशासन, खाद्य संरक्षण विभाग की संयुक्त टीम ने पर्यटन नगर लैंसडौन के होटलो का निरीक्षण किया। गंदगी पाए जाने पर होटल संचालकों को कड़ी फटकार लगाई गईं।

अभियान के दौरान पांच प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। अभिहित अधिकारी एसएस रावत, एसडीम शालिनी मौर्य के नेतृत्व में टीम ने खाद्य पदार्थों की जांच को लेकर संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान मिठाई की दुकान व बेकरी से खाद्य पदार्थों के पांच सैंपल लिए गए। जिला अभिहित अधिकारी ने सभी दुकानदारों को निर्देश दिए कि उनके यहां कार्य करने वाले कर्मचारियों का मेडिकल करवाएं। साथ ही साथ फूड लाइसेंस की कॉपी अनिवार्य रूप से अपनी दुकान में लगाए।

राजस्व, फौजदारी वादों सहित विभिन्न वादों को समयान्तर्गत निस्तारित करें : डीएम

डीएम ने किया चौबट्टाखाल तहसील का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने शनिवार को तहसील चौबट्टाखाल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तहसील के विभिन्न पटलो के निरीक्षण में पाई गई खामियों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया कि राजस्व, फौजदारी वादों सहित जेडएएलआर व पीपी एक्ट के विभिन्न वादों को समयान्तर्गत निस्तारित करें। तहसील में राजस्व उप निरीक्षकों के 19 पदों के सापेक्ष 11 उपलब्ध, जबकि 8 रिक्त है। सेवा का अधिकार के तहत वर्ष 2023-24 के तहत अब तक 95 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से 92 का निस्तारण, 2 अस्वीकृत, जबकि 01 आवेदन लंबित है। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने तहसील कार्यालय में आधा दर्जन से अधिक लोगों की समस्याओं को सुना। डीएम ने समस्याओं के निराकरण के लिए उपजिलाधिकारी को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिये।

डीएम ने अधिकांश राजस्व पुलिस वादों में एफआर (फाइनल रिपोर्ट) लगी होने पर स्थिति को स्पष्ट करने हेतु एफआर (फाइनल रिपोर्ट) लगे चोरी संबंधी एक राजस्व वाद की फोन कॉल द्वारा पड़ताल की, जिससे पता चला कि ग्राम गोंदिया पट्टी कोलागाड निवासी बलबीर सिंह रावत द्वारा दर्ज कराए गए चोरी संबंधी वाद में राजस्व उपनिरीक्षक द्वारा वाद के निस्तारण में गंभीरता नहीं दिखाई गयी है। जिलाधिकारी ने संबंधित राजस्व उपनिरीक्षक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही, जबकि गोंदिया के ग्राम पहरी द्वारा चोरी की सूचना को तहसील तक प्रेषित करने में ढिलाई बरतने पर ग्राम पहरी को पद से हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न कार्यालयों से प्राप्त संदर्भ में से लंबित 21 संदर्भों का समयान्तर्गत

निरीक्षण के दौरान डीएम डॉ. आशीष चौहान कर्मचारियों को निर्देश देते हुए।

निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने लगभग 7 माह से लंबित संदर्भों का निस्तारण नहीं करने पर एसडीएम को संबंधित कानूनगों के प्रति अनुशासनात्मक कार्यवाही, जबकि कनिष्ठ सहायक को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि लंबित सभी संदर्भों का नायब तहसीलदार स्तर से निस्तारण करते हुए इसकी जानकारी का पंजिका में उल्लेख कर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। तहसील कार्यालय के स्थापना कक्ष में अधिकारियों व कार्मिकों के जीपीएफ व एनपीएस की अधूरी एंट्री व पासबुक का सत्यापन अपडेट नहीं पाए जाने पर जिलाधिकारी सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसील कार्मिकों को अपनी कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ. चौहान ने कंप्यूटर खाता-खतौनी की नकल संबंधी भूलेख कंप्यूटर कक्ष के निरीक्षण करते हुए एक खतौनी का प्रिंट निकलवाने के दौरान खतौनी प्रिंट से पूर्व कंप्यूटर में 7 पेज दर्शा रहा था, जबकि प्रिंट निकलने पर 15 पेज पर डेटा प्राप्त हुआ, जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को जांच अधिकारी नामित करते हुए संदेहास्पद स्थिति को स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान आपदा राहत एवं बचाव संबंधी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण डिस्चार्ज व अक्रियाशील अवस्था में पाए जाने, कार्यालय के उपकरणों को खरीदने व मेंटेनेंस में प्रोक्योरमेंट नियमावली का अक्षरशः अनुपालन नहीं करने व निर्वाचन संबंधी सामग्री को स्टॉक पंजिका में दर्ज नहीं करने पर संबंधित आरके को फटकार लगाते हुए चेतावनी जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपदा संबंधी सभी उपकरणों को चार्ज व सक्रिय अवस्था में रखें। उन्होंने तहसील कारागार में फैली गंदगी व हार्मफुल ऑब्जेक्ट को हटाने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम अनिल कुमार चन्याल, तहसीलदार दिवान सिंह राणा, नायब तहसीलदार करिश्मा जोशी सहित अन्य राजस्व कर्मी उपस्थित थे।

वार्ता के बाद किसानों की महापंचायत स्थगित

रुड़की। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एडीएम की मध्यस्ता में शनिवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ वार्ता हुई। बैठक में जिला स्तर की समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन अधिकारियों ने किसानों को दिया। वहीं अन्य समस्याओं को शासन तक पहुंचाने की बात कही। आश्वासन के बाद किसानों ने 24 अक्तूबर को होने वाली महापंचायत को स्थगित कर दिया है। स्मार्ट मीटर, सोलानी नदी पुल निर्माण, गन्ना भुगतान, चकबंदी एवं अन्य समस्याओं के विरोध में भारतीय किसान यूनियन रोड गुट की ओर से 24 अक्तूबर को महापंचायत का ऐलान किया गया था। मामले में किसानों की ओर से जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह को ज्ञापन दिया गया था। जिलाधिकारी ने 19 अक्तूबर को मामले में बैठक का आश्वासन दिया था। जिलाधिकारी की ओर से दिए गए आश्वासन के बाद प्रशासनिक भवन में एडीएम दीपेंद्र नेगी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आशीष कुमार मिश्रा की मध्यस्थता में अधिकारियों के साथ किसानों की बैठक हुई।

बैठक में यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पदम सिंह रोड ने किसानों की चकबंदी में लंबित मामलों के निस्तारण की मांग की। किसानों ने भी अपनी समस्याएं अधिकारियों को बताईं। इसके साथ ही इकबालपुर मिल पर बकाया गन्ना भुगतान, सोलानी नदी पुल के जल्द निर्माण, स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध, जौरासी जबरदस्तपुर के पुल निर्माण, बढ़ेड़ी राजपूतान में अंडरपास के निर्माण आदि की मांग उठाई। जिसके संबंध में अधिकारियों से मौके पर जबाव मांगा गया। वहीं एडीएम ने निर्देश दिए कि अपने स्तर की समस्याओं का जल्द निस्तारण अधिकारी करें। इसके साथ ही अन्य मामलों को शासन तक पहुंचाने की बात उन्होंने कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष पदम सिंह ने कहा कि अधिकारियों के आश्वासन के बाद फिलहाल 24 अक्तूबर को होने वाली महापंचायत को स्थगित कर दिया गया है।

बैठक में लक्सर एसडीएम गोपाल सिंह चौहान, भगवानपुर एसडीएम जितेंद्र कुमार, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बीके चौधरी, बिजली विभाग, लोक निर्माण विभाग, चकबंदी विभाग, पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग समेत अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ ही संगठन के राष्ट्रीय महासचिव राकेश अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव कुशवाहा, युवा प्रदेश अध्यक्ष सचिन टोडा, जिला अध्यक्ष नाजिम अली, इकबाल प्रधान, शहजाद प्रधान, अनीश प्रधान, इरशाद, सव्वाद अली, जावेद अली, प्रदीप त्यागी, इंद्र रोड, मनोज पाल, शेर अली, रियाजुल, राकेश अग्रवाल, नारायण सिंह और परशुराम प्रधान आदि मौजूद रहे।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आशीष कुमार मिश्रा ने बताया कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में बैठक हुई है।

बायो मेडिकल वेस्टेज प्लांट हटाने की उठाई मांग

नई टिहरी : नरेंद्रनगर ब्लॉक के कोडारना क्षेत्र में वर्ष 2021 में स्थापित बायो मेडिकल वेस्टेज प्लांट से हो रहे प्रदूषण से गुस्साए ग्रामीणों ने प्लांट को हटाने की मांग की है। मामले में उन्होंने एसडीएम को पत्र लिखा है। कांग्रेस के देवप्रयाग जिलाध्यक्ष उत्तम असवाल और महिला जिलाध्यक्ष सुमन नैथाणी के नेतृत्व में कोडारना के ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल प्लांट के विरोध में एसडीएम नरेंद्रनगर से शिकायत की है। उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन प्रेषित करते हुए बताया कि कोडारना में वर्ष 2021 में लगे बायो मेडिकल वेस्टेज प्लांट से प्रदूषित धुएं के कारण ग्रामीणों को दिक्कत हो रही है। प्लांट के समीप पीने के पानी की टंकी लगी है। जिसका पानी भी प्रदूषित हो रहा है। बुजुर्गों और बच्चों को सांस लेने संबंधित परेशानियां से जूझना पड़ रहा है। इस प्लांट को एक सप्ताह के भीतर शासन-प्रशासन ने बंद अथवा अन्य जगह स्थानांतरित नहीं किया तो कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के साथ बेमियादी आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगी।

पीएम आवास योजना में मकानी, अल्का व सोहन ने मांगे आवास

नई टिहरी : शनिवार को विधायक प्रतापनगर विक्रम सिंह की मौजूदगी और डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में ब्लाक जाखणीधार के सेमंडीधार में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनुपस्थित सीवीओ आशुतोष जोशी, सीईओ एसपी सेमवाल, ईई पेयजल निगम सत्येंद्र पाल पुंडीर व मत्स्य अधिकारी विनोद कुमार यादव के डीएम ने नाराज होते हुए जबाब तलब करने के निर्देश दिए। शिविर में 127 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। शिविर में ढुंग निवासी गोविंद लाल ने कस्तल रोड़ निर्माण में जमीन का मुआवजा देने, प्रधान ग्राम पंचायत बडोन गांव जमुना प्रसाद बडोनी ने पुजार गांव ढुंग मोटर मार्ग पर कास्तकारों के मुआवजा देने, आम रास्ते व सिंचाई नहर बनवाने, चूरेण्डा निवासी मोहम्मद सलीम ने ग्राम पंचायत सेम्या के अंतर्गत राजस्व ग्राम चूरेण्डा में सड़क निर्माण करवाने की मांग की, पुजारगांव मोटर मार्ग पर राप्रावि पुजार गांव सुरक्षा दीवार बनवाने की मांग की गई। इन मांगों पर डीएम ने सम्बंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई को निर्देशित किया। ग्राम मंदार निवासी सोहन लाल, ग्राम ढुंग निवासी गोविंदा लाल और मकानी देवी, ग्राम कस्तल निवासी अलका देवी ने डीएम से आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास दिए जाने की मांग की। जिस पर पर बीडीओ जाखणीधार को स्थलीय जांच कर कार्रवाई कर रिपोर्ट देने को कहा। (एजेंसी)

करवाचौथ के लिए महिलाओं ने की खरीददारी

रुद्रप्रयाग : महिलाओं द्वारा रखा जाने वाला करवाचौथ के व्रत को लेकर जनपद के बाजारों में रौनक रही। मुख्यालय में सुबह से ही महिलाएं खरीदारी करने पहुंचीं। जबकि देर शाम तक बाजारों में चहल-पहल देखी गई। इस दौरान व्यापारियों का भी खूब कारोबार चला। रविवार को करवाचौथ का व्रत है इसलिए व्रत की तैयारियों को लेकर महिलाओं ने बाजारों में जमकर खरीदारी की। गांव-गांव से आई महिलाओं के साथ ही नगरीय क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं ने अपने नजदीकी बाजारों में खरीदारी की। रुद्रप्रयाग नगर में अनेक दुकानों में महिलाओं की भीड़ लगी रही। सौन्दर्य से जुड़ी अनेक दुकानों में व्यापारियों ने अच्छा कारोबार किया। महिलाओं में व्रत को लेकर काफी उत्साह है।

दून में छप रहे थे नकली नोट, आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। एसटीएफ ने देहरादून में नकली नोट का धंधा चला रहे एक व्यक्ति को पटेलनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 94 हजार रुपये कीमत के नकली नोट बरामद हुए हैं। आरोपी इसके अलावा फर्जी कॉल सेंटर भी चलाता था। एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने शनिवार को हुई प्रेसवार्ता में इसका खुलासा किया। भुल्लर ने बताया कि एसटीएफ को सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति देहरादून में नकली नोट छापकर बाजार में असली के रूप में चला रहे हैं। त्योहारी सीजन में बड़ी खेप देहरादून में खपाने की तैयारी है। छानबीन में पता चला कि परमित नामक एक व्यक्ति आईएसबीटी के पास मूलचन्द एनक्लेव में रहता है, जो नकली नोट अपने घर पर ही छापता है। एसटीएफ ने कुछ समय तक व्यक्ति की निगरानी की। इसमें पता चला कि व्यक्ति का कैनाल रोड पर रेस्टोरेंट है। इसकी आड़ में इसके द्वारा बाजार में नकली नोटों की खपत की जा रही है।

आरोपी किराये के फ्लैट में प्रिंटर और लैपटाप की सहायता से नकली नोट छापता है और फिर वो नकली नोट का प्रयोग रेस्टोरेंट और बाजार से सामान खरीदने में करता है। ज्यादा कमाई के लिए आरोपी द्वारा मल्टी टास्क जॉब्स नाम से एक कॉल सेंटर भी संचालित किया जा रहा था, जिसको वह अकेला चलाता है। कॉल सेंटर के लिए विजिटिंग कार्ड छपवाए गये थे। अलग-अलग वेबसाइट से बेरोजगार युवक और युवतियों के फोन नंबर देखकर उन्हे कॉल करके नौकरी लगाने का झांसा देकर प्रत्येक से 1500 से 2000 रुपए की ठगी की जा रही थी।

एसएसपी एसटीफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि अब तक आरोपी ने कितनी मात्रा में नकली नोटों की खपत की है और किन -किन लोगों के साथ ठगी की गई है।

जेआरएफ नेट में रघुनाथ कीर्ति का परचम, आठ को मिली सफलता

नई टिहरी : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग ने एक बार फिर ऐतिहासिक सफलता हासिल की। इस बार दो छात्रों को जेआरएफ और पांच को नेट में सफलता प्राप्त हुई है। श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर से बीते वर्ष से नेट परीक्षा में पहले की अपेक्षा काफी छात्र निकल रहे हैं। इनमें कुशाग्र अत्री और गिरीश भट्ट ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप क्वालीफाई किया। जबकि मोहित शर्मा, दीपांक्षा, रीता देव वर्मा, चंडी प्रसाद तथा साध्वी देवाश्रिता ने नेट परीक्षा पास की है।

हरिद्वार में बैंक लूट का आरोपी 20 साल बाद गिरफ्तार

देहरादून। हरिद्वार में 2004 में इलाहाबाद बैंक में हुई डकैती के आरोपी को एसटीएफ ने 20 साल बाद तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। उस पर एक लाख रुपये ईनाम घोषित था। मामले में एक आरोपी पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था, जबकि अन्य गिरफ्तार कर दिए गए थे। एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने शनिवार को हुई प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि हरिद्वार में इलाहाबाद बैंक में 2004 में बड़ी डकैती हुई थी। घटना के एक महीने बाद मुख्य आरोपी टीपू यादव पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। जबकि आरोपी उदय उर्फ विक्रांत पुत्र विंदेश्वर निवासी ग्राम खेरकैमा जिला पटना बिहार फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे ढूंढने का काफी प्रयास किया। उसके घर की कुर्की तक की गयी, लेकिन वो गिरफ्तार नहीं हो सका। एसएसपी ने बताया कि एसटीएफ को जानकारी मिली थी कि आरोपी तमिलनाडु में कहीं छिपकर रह रहा है। जिसपर एक टीम उपनिरीक्षक विद्या दत्त जोशी के नेतृत्व में जनपद वेल्लोर तमिलनाडु भेजी गयी। यहां उदय को गिरफ्तार कर दिया गया है। टीम उसे हरिद्वार ले आई है।

ऐसे ही की वारदात

भुल्लर ने बताया कि 17 दिसंबर 2004 को इलाहाबाद बैंक हरिद्वार में 04 से 05 बदमाश तमंचे लेकर घुसे थे।

मैठाणा को मॉडल विलेज के रूप में विकसित करने की कवायद शुरू

चमोली : बद्रीनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित दशोली ब्लाक का मैठाणा गांव जल्द ही मॉडल विलेज के रूप में सामने आएगा। जिला प्रशासन ने मैठाणा गांव को मॉडल विलेज बनाने की पहल शुरू कर दी है। यहां पर स्थानीय लोगों की आजीविका संवर्धन के साथ तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों के लिए सभी सुख सुविधाओं को विकसित किया जाएगा।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी एवं मुख्य विकास अधिकारी नदंन कुमार ने शनिवार को तमाम विभागीय अधिकारियों के साथ मैठाणा गांव का भ्रमण किया और वहां पर मौजूद संसाधनों और सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए स्थानीय लोगों के सुझाव लिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बद्रीनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित होने के कारण मैठाणा गांव में आजीविका संवर्धन की अपार संभावनाएं है। यहां पर तीर्थयात्रियों एवं पर्यटकों के लिए जरूरी सुविधाओं को जुटाते हुए यात्रा का एक प्रमुख पडाव बनाने का प्रयास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि हमारा फोकस स्थानीय लोगों की आजीविका बढ़ाने पर रहेगा। उन्होंने स्थानीय लोगों को पर्यटन विभाग के सहयोग से पहाड़ी शैली में होम स्टे बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

जिलाधिकारी ने विभागों को निर्देशित किया कि केंद्र, राज्य और जिला सेक्टर की योजनाओं से मैठाणा गांव में स्वरोजगार के संसाधनों को विकसित किया जाए। सभी पात्र लाभार्थियों को विभागीय योजनाओं से आच्छादित करें। मैठाणा खेल मैदान का सौंदर्यीकरण के साथ ही मैदान तक जाने वाले पहुंच मार्ग का चौड़ीकरण एवं पार्किंग की व्यवस्था की जाए। सभी सरकारी भवनों की एक कलर कोडिंग की जाए। नदी किनारे आरती के लिए घाट निर्माण किया जाए। मैठाणा में कृषि, बागवानी, हर्बल नर्सरी, कीवी उत्पादन, मत्स्य पालन, पोल्ट्री फॉर्म को

विकसित करते हुए हाट बाजार, आउटलेट एवं अन्य माध्यमों से मार्केटिंग की व्यवस्था की जाए। जिलाधिकारी ने रेखीय विभागों के साथ नदी तट पर स्थित खेल मैदान से लेकर पूरे मैठाणा गांव में मौजूद व्यवस्थाओं एवं सरकारी परिसंपत्तियों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। जिलाधिकारी ने नदी किनारे निर्मित सुरक्षा दीवार के बीच फिलिंग कराने, राजकीय पशु औषधालय में सप्ताह में दो दिन किसी कार्मिक की तैनाती करने, भूमिहीन असुरक्षित परिवारों को सुरक्षित भूमि पर आवास दिलाने, खेल मैदान का सौन्दर्यीकरण, लक्ष्मी नारायण मंदिर का जीर्णोद्धार और स्थानीय लोगों को विभागीय योजनाओं से जोड़ते हुए सामूहिक खेती मॉडल को विकसित करने के निर्देश दिए। वर्षा जल संरक्षण के लिए ट्रेंच और चाल खाल बनाने को कहा। राइका मैठाणा के प्रधानाचार्य को कक्षा कक्षों में लाइट लगवाने, पठन-पाठन की व्यवस्थाओं में सुधार लाने और विद्यालय परिसर में विशेष साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। बीकेटीसी के पूर्व धर्माधिकारी जगदंबा प्रसाद सती, ग्राम प्रधान शिव प्रसाद डिमरी एवं समस्त ग्रामवासियों ने मॉडल विलेज बनाने के लिए मैठाणा को चिन्हित करने के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए मॉडल विलेज बनाने के लिए प्रस्तावित कार्यो में प्रशासन को अपना पूरा सहयोग देने की बात कही। ग्राम प्रधान ने गांव की प्रमुख समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराते हुए बताया कि गांव में खेल मैदान की सुरक्षा, पहुंच मार्ग का सुधारीकरण, प्राचीन लक्ष्मी नारायण मंदिर और पुराने रास्तों का जीर्णोद्धार, जंगली सुअर से फसलों की सुरक्षा, जीआईसी में भवन निर्माण एवं एससी बस्ती में सुरक्षात्मक कार्य किए जाने नितांत आवश्यक है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी नंदन कुमार, उप जिलाधिकारी आरके पांडेय, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, सहायक परियोजना निदेशक केके पंत, मुख्य कृषि अधिकारी जेपी तिवारी, जिला खनन अधिकारी नाजिया हसन, लोनिवि के ईई आरएस चौहान, आरडब्ल्यूडी के ईई अला दिया, एई एलपी भट्ट सहित खेल, समाज कल्याण, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता आदि रेखीय विभागों के अधिकारी मौजूद थे। (एजेंसी)

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com